सहायता दी गई है अथवा देने का विचार है ; और

(ख) यदि हां, तो कितनी?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० श्रीमति अमृतकौर) : (क) और (ख). राष्ट्रीय जल पूर्ति एवं सफाई कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य सरकारों को ग्राम जल पूर्ति योजनाओं पर हुए खर्च का ५० प्रतिशत तक अनुदान दिये जाते है ।

1966-67 में राजस्थान सरकार को ग्राम जल पूर्ति योजनाओं के लिए 45 लाख रुपये अतिरिक्त दिये गये । उनमे से 25 लाख रुपये उस राज्य के अभावग्रस्त क्षेत्रों में योजनायें चलाने के लिए थे, निर्धारित किये गये थे उस उपर्युक्त व्यवस्था के अतिरिक्त 1965-66 और 1966-67 में वित्त मंत्रालय ने राजस्थान सरकार को सहायता कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये का ऋण और एक करोड़ रुपये का अनुदान भी दिया । यह रकम इन क्षेत्रों में पानी की व्यवस्था करने पर भी खर्च हो सकती थी ।

अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के छात्रों के लिए छात्रवृत्तियां

1878. श्री प० ला० बाड़पाल : क्या समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्दुओं के अतिरिक्त मुसलमानों तथा ईसाइयों के कुछ वर्गों के लोग अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के विद्यार्थियों में शामिल हैं, जिन्हें केन्द्रीय सरकार तथा राज्य सरकारें छात्रवृत्तियां देती है ; और

(ख) यदि हां, तो उनके नाम क्या है ?

समाज कल्याण विभाग में राज्य-मंत्री (श्रीमती फूलरेणु गुहा) : (क) और (ख). अनुसूचित जातियों को उल्लिखित करने वाले आदेशों के प्रावधानों के अनुसार ऐसे किसी भी व्यक्ति, जो हिन्दू या सिख धर्म के अतिरिक्त किसी अन्य धर्म का अनुयायी हो, को अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं समझा जायेगा । अनुसूचित आदिम जातियों के विषय में कुछ ऐसी रुकावट नहीं है । किसी धर्म की कोई जाति, जिसे अनुसूचित आदिम जाति उल्लिखित किया गया हो, उन सुविधाओं, जो अनुसूचित आदिम जातियों को मिलती हैं, के लिए मांग कर सकती हैं । इन (सुविधाओं) में छात्रवृत्तियां भी शामिल हैं ।

अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां

1879. श्री प० ला० बाड़पाल : क्या समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि देश की विभिन्न संस्थाओं में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उन विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति की रकम न बढ़ाये जाने के क्या कारण है जिन्हें 1952 से 600 रुपये वार्षिक छात्रवृत्ति मिलती है जबकि मूल्य बहुत अधिक बढ़ने की प्रवृत्ति के कारण वेतन क्रम आदि लगातार बढ़ाये गये हैं ?

समाज कल्याण विभाग में राज्य-मंत्री (श्रीमती फूलरेणु गुहा) : छात्रवृत्तियों के दर 324 रुपये वार्षिक से 900 रुपये वार्षिक तक हैं । दर इस बात पर निर्भर करता है कि छात्र कहां निवास करता है या दिवस-विद्यार्थी है और या इस बात पर भी कि किस प्रकार का अध्ययन करना है । इस प्रकार की छात्रवृत्तियां पाने के हकदार विद्यार्थियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है ; इसलिये प्राप्त निधान को देखते हुए छात्रवृत्तियों के दर अभी नहीं बढ़ाये जा सकते ।

Vasectomy

1880. **Shri Baburao Patel:**
Shri Tridib Kumar Chaudhuri:
Shri Jagannath Rao Joshi: